University of Lucknow in News on 21 February 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

समृद्ध होगी शैक्षिक विरासत

पीएम उषा के तहत मिले अनुदान को लेकर लविवि में मना जश्न

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान पीएम उषा के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय को मिले सौ करोड़ रुपये के अनुदान से विश्वविद्यालय की शैक्षिक विरासत को समृद्ध करने में मदद मिलेगी। इस अनुदान में चयन होना विवि के शिक्षा के प्रति अटूट समर्पण एवं शोध व नवाचार के नित आयाम स्थापित करने के संकल्पों को दर्शाता है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा- सौ करोड़ से संवरेगा विवि

यह बातें उन्होंने लविवि के मालवीय हाल में मंगलवार को आयोजित समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि लखनऊ विवि ने 650 में से 585 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त करने और पीएम उषा योजना की एमईआरयू श्रेणी में अन्य सभी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ने की उपलब्धि को हासिल किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि यह अनुदान विवि को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, कलात्मक और गुणवत्तापूर्ण लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा। कार्यक्रम में स्वागत भाषण पीएम उषा की निदेशक प्रो. केया पांडेय ने दिया। इस मौके पर सभी संकायों के संकायध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

लविवि के मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय को प्रतीक चिह्न भेंट करते लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय। -संवाद

ट्रिपल आईटी लखनऊ अब राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेडिकेशन टू नेशन कार्यक्रम में राजधानी लखनऊ में बने ट्रिपल आईटी को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इससे संस्थान के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर सभी ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना और ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण मोहन शेरी ने कहा कि संस्थान का देश को मिलना विकसित भारत शैक्षिक उन्नति में एक बड़ा कदम है जो नए भारत के भावी भविष्य को दिशा देगा। इससे देश के विकसित भारत बनने के संकल्प को शक्ति मिलेगी।

लविवि : शोधार्थियों को नए पर्यवेक्षकों का होगा आवंटन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का शिक्षाशास्त्र विभाग आईटी कॉलेज से वापस लिए गए सभी 11 शोधार्थियों को अगले सप्ताह नए शोध पर्यवेक्षक आवंटित कर देगा। इस संबंध में 27 फरवरी को डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी (डीआरसी) की बैठक होगी, जिसमें यह निर्णय लिया जाएगा कि किस महाविद्यालय के शिक्षक को इनका शोध पर्यवेक्षक बनाया जाए।

आईटी कॉलेज से शोधार्थी वापस लिए जाने का मामला

आईटी पीजी कॉलेज के शिक्षा शास्त्र विभाग को आवंटित 11 शोधार्थियों ने बीते दिनों कॉलेज पर दोबारा फीस वसूले जाने की शिकायत की थी और कुलपति को पत्र लिखकर पर्यवेक्षक को बदलने गुजारिश की थी। इस पर विश्वविद्यालय की जांच में भी यह आरोप सच पाए गए और 7 फरवरी को हुई डीआरसी की बैठक में कॉलेज को आवंटित सभी छात्रों को वापस विवि बुला लिया गया एवं जल्द ही इन्हें दूसरा सपुरवाइजर आवंटित करने की बात कही गई।

इनको भी मिलेंगे नए गाइड

लखनऊ विश्वविद्यालय ने खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज के दो, शशिभूषण गर्ल्स कॉलेज के दो, डीएवी कॉलेज दो, महिला डिग्री कॉलेज के एक और करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स पीजी कॉलेज के एक शोधार्थी का गाइड बदले जाने का निर्णय लिया है। जिस पर डीआरसी में सहमति ली जाएगी। इन कॉलेजों के शिक्षकों ने निजी कारणों से विद्यार्थियों को पीएचडी कराने में असमर्थता जाहिर की थी।

डीआरसी की बैठक में होगा निर्णय

27 फरवरी को डीआरसी की बैठक प्रस्तावित है। इसमें इन सभी शोधार्थियों को शोध पर्यवेक्षक आवंटित करने का निर्णय लिया जाएगा। -प्रो. दिनेश कुमार, संकाय अध्यक्ष लविवि

सीएसआईआर यूजीसी नेट में लविवि के 14 विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। लविवि के विज्ञान संकाय के 14 विद्यार्थियों ने काउंसिल ऑफ इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। इसमें आठ विद्यार्थी जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और छह लेक्चररशिप के लिए चयनित हुए हैं। यह परीक्षा दिसंबर 2023 में कराई गई थी।

आठ विद्यार्थी जेआरएफ तो छह लेक्चररशिप के लिए चुने गए

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सीएसआईआर यूजीसी नेट एक बेहद अहम परीक्षा है। इसमें जूलॉजी विभाग से दो, फिजिक्स से तीन, बॉटनी से दो और बायोकेमिस्ट्री से एक छात्र ने जेआरएफ क्वालिफाई किया। जबकि जूलॉजी से तीन, बायोकेमिस्ट्री से एक और केमिस्ट्री से दो छात्रों ने लेक्चररशिप पात्रता हासिल की है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं।

वैज्ञानिक संस्थानों में करेंगे शोध...प्रो. दुर्गेश ने बताया कि सीएसआईआर यूजीसी नेट में सफलता हासिल करने के बाद यह विद्यार्थी अब एनबीआरआई, सीडीआरआई व अन्य बड़े वैज्ञानिक और औद्योगिक संस्थानों शोध कार्य कर सकेंगे। इसके साथ वह इन संस्थानों में शिक्षण कार्य करने के लिए भी योग्य हो गए हैं। (संवाद)

अच्छी स्केचिंग बनाएगी काबिल कलाकार

लखनऊ। लविवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में मंगलवार को संवाद श्रृंखला के अंतर्गत प्रख्यात कॉमिक आर्टिस्ट दिलीप चौबे का व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि स्केचिंग एक ऐसी विधा है जो उन्हें संपूर्ण व काबिल कलाकार बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वह लखनऊ को दुनिया के पटल पर एनिमेशन हब के रूप में स्थापित करेंगे। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. रतन कुमार ने इलस्ट्रेशन पर आधरित उनकी पुस्तक का विमोचन किया। कॅरिअर टॉक सेशन में छात्रों ने एनीमेशन व टॉय इंडस्ट्री में कॅरिअर की संभावनाओं से संबंधित सवाल पूछे। प्रो. अलोक कुमार, रवि पांडेय, अतुल हुंडू, अमृत सिन्हा, सपना बाजपई, सुगंधा माहेश्वरी, संजय राज आदि मौजूद रहे। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU स्टूडेंट्स को उद्यमी बनाएगा IIA

एनबीटी सं., लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) और भारतीय उद्योग संघ (आईआईए) मिलकर स्टूडेंट्स के लिए एक रिसर्च सेंटर की स्थापित करेंगे। इसके अलावा आईआईए, एलयू के स्टूडेंट्स को उद्यमी बनने के लिए मार्गदर्शन देगा। इंटर्नशिप व प्लेसमेंट दिलाने में मदद करने के साथ-साथ फैक्ट्रियों का शैक्षिक दौरा भी कराएगा।

बता दें कि एलयू के प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) और आईआईए के बीच एमओयू साइन हुआ था। इसके तहत एलयू का प्रबंधन विज्ञान संस्थान और आईआईए मिलकर लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) पर रिसर्च के लिए एक केंद्र स्थापित करेंगे। आईआईए अध्यक्ष विकास खन्ना का कहना है कि एमओयू के तहत आईएमएस के संकाय सदस्य आईआईए की कंपनियों के स्टाफ को मानव संसाधन, बिक्री, विपणन, संचार आदि की ट्रेनिंग देंगे। इसके बदले आईआईए की ओर से आईएमएस के स्टूडेंट्स को औद्योगिक दौरे कराए जाएंगे।

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

निःशुल्क मदद दी जाएगी

आईआईए ने उन स्टूडेंट्स को उद्यमी बनाने की योजना बनाई है, जो पढ़ाई के बाद करीब तीन वर्ष तक संघर्ष करने में पीछे न हटें। स्टूडेंट्स किस क्षेत्र में उद्यम शुरू करना चाहते हैं? उसके लिए कौन-कौन से रजिस्ट्रेशन जरूरी होते हैं? इसके बारे में आईआईए मार्गदर्शन देगा। सरकारी योजनाओं और इंडस्ट्री संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

CSIR UGC नेट परीक्षा में LU के 14 स्टूडेंट्स पास

एनबीटी सं, लखनऊ

एलयू के 14 स्टूडेंट्स ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा क्वलिफाई की है। इसमें 8 स्टूडेंट्स ने जेआरएफ और 6 ने लेक्चररशिप पात्रता के लिए क्वालिफाई किया है। बीबीएयू के भी एक स्टूडेंट ने नेट परीक्षा क्वालिफाई की है। बीबीएयू के सांख्यिकी विभाग के स्टूडेंट भूपेंद्र मीना ने सीएसआईआर यूजीसी ने परीक्षा गणितीय विज्ञान में क्वालिफाई की है। बीबीएयू के वीसी आचार्य संजय सिंह, एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने सफल स्टूडेंट्स को बधाई दी है।

यूजीसी नेट में 14 छात्र सफल हुए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एक दर्जन से ज्यादा छात्रों ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है। इसमें आठ छात्रों ने जेआरएफ और छह ने लेक्चररशिप पात्रता में क्वालीफाई किया है। सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा दिसंबर 2023 के नतीजे जारी हो गए हैं।

आठ छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप, छह ने लेक्चरशिप पात्रता की अर्हता प्राप्त की। जेआरएफ पास करने वाले में प्राणीशास्त्र से दो, भौतिक विज्ञान से तीन, वनस्पति विज्ञान से दो, जैवरसायन से एक छात्र रहे। वहीं बीबीएयू के सांख्यिकी विभाग के छात्र भूपेंद्र मीना ने भी परीक्षा पास की।

HINDUSTAN PAGE 6

विद्यार्थियों को उद्यमी बनने में मदद करेगा आईआईए

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन उद्यमी बनने में मदद करेगा। फैक्ट्रियों का शैक्षिक भ्रमण और इंटर्नशिप व प्लेसमेंट प्रदान करेगा। एसएमई के लिए एक रिसर्च सेंटर भी स्थापित करने की योजना है।

एलयू के प्रबंधन विज्ञान संस्थान और आईआईए के बीच एमओयू साइन किया गया था। जिसके तहत दोनों संस्था अब एक दूसरे के साथ अलग-अलग कार्यों में संग काम करेंगे। आईआईए अध्यक्ष विकास खन्ना ने बताया कि एमओयू के तहत आईएमएस के संकाय सदस्य आईआईए की सदस्य कंपनियों के स्टाफ को ट्रेनिंग देंगे। इसमें मानव संसाधन, बिक्री, विपणन, संचार जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। वहीं आईएमएस के छात्रों को औद्योगिक दौरे और प्लेसमेंट की सुविधा आईआईए देगा। दोनों पक्ष उद्योग के सम्मेलनों और आयोजनों में सहयोग करेंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

'पीएम ऊषा फंड से मिले 100 करोड़ से लवि में बढ़ेंगी सुविधाएं'

जासं, लखनऊ : राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) का डिजिटल उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। सुबह 10 बजे से लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में इसका सजीव प्रसारण देखा गया। पीएम ऊषा के तहत 100 करोड़ रुपये का अनुदान लवि को मिलने की खुशी में मालवीय सभागार में इसका उत्सव मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वित्तीय जरूरतें उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पीएम ऊषा कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, अनुसंधान सुविधाओं और समग्र शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्रों में बदलना है। इस फंड से विश्वविद्यालयों में सुविधाएं बढ़ेंगी। कार्यक्रम में मानव विज्ञान विभाग से प्रोफेसर एवं पीएम ऊषा की समन्वयक प्रोफेसर केया पांडेय, प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह व बड़ी संख्या में शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय • जागरण

शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता को मिला अनुदान

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पहले रूसा के नाम को सभी जानते थे। अब एनईपी के तहत पीएम उषा हो गया है। इसका अनुदान विश्वविद्यालयों की तीन श्रेणियों पूरी तरह से अनुसंधान-उन्मुख संस्थान, बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू), और मुख्य शैक्षणिक संस्थान में मिलता है। लवि को अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के कारण एमईआरयू श्रेणी के तहत वित पोषण हासिल हुआ। इस धनराशि का उपयोग रणनीतिक रूप से प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने, नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।

PIONEER PAGE 3

वित्तीय जरूरतों की उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिकाः योगेन्द्र उपाध्याय

प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटली किया उच्चतर शिक्षा अभियान 'पीएम उषा' का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) का डिजिटली उद्घाटन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। डिजिटल लॉन्च को एक ऑनलाइन प्रसारण के माध्यम से देखा गया। एमईआरयू श्रेणी में पीएमयूएसएचए योजना से 100 करोड़ का अनुदान प्राप्त करने की विश्वविद्यालय की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के मालवीय हॉल में एक उत्सव मनाया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश योगेन्द्र उपाध्याय थे। मंच पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों में प्रो.वाइस चांसलर अरविंद अवस्थी शामिल थे।

शुभारंभ में पीएम उषा कार्यक्रम की समन्वयक प्रो केया पांडे ने स्वागत भाषण दिया। इसके अलावा कुलपति प्रोफेसर आलोक के राय ने अपने संबोधन में इस परिणाम के लिए दीर्घकालिक कड़ी मेहनत को जिम्मेदार ठहराया और उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उनके निरंतर समर्थन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को पीएम उषा योजना के बारे में परिचित कराया, जिसे पहले रूसा के नाम से जाना जाता था और एनईपी 2020 के बाद बदल दिया गया। विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के कारण एमईआरयू श्रेणी के तहत वित्त पोषण हासिल किया। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों का भी उल्लेख किया। प्रो राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 650 में से 585 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त करने और पीएम उषा योजना की एमईआरयू श्रेणी में अन्य सभी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ने की उपलब्धि का खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम उषा को अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले, शैक्षणिक, अनुसंधान और छात्र की आवश्यकता पर आधारित जानकारी प्रदान करने के लिए सभी संकायों के प्रमुखों से परामर्श किया गया था। उन्होंने योगेन्द्र उपाध्याय एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम उषा पहल से पर्याप्त वित्तीय प्रोत्साहन लखनऊ विश्वविद्यालय को शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाएगा। इस धनराशि का उपयोग रणनीतिक रूप से प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनानेए नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। योगेन्द्र उपाध्याय ने लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम की कड़ी मेहनत की सराहना की और प्रेरणा और गहरी रुचि के लिए यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उच्च शिक्षा में यूपी की प्रगति पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से लखनऊ विश्वविद्यालय के योगदान का उल्लेख किया। योगेन्द्र उपाध्याय ने नई सरकार के तहत इन क्षेत्रों में यूपी की उत्कृष्टता की सराहना करते हुए शिक्षा और चिकित्सा के महत्व पर चर्चा की।

सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में एलयू के छात्रों ने किया बेहतर प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दिसंबर 2023 में आयोजित सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। विभिन्न विभागों के कई छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण करके अपनी असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया है। बता दें कि जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने और भारत भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में व्याख्याता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए सीएसआईआर यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा आयोजित की जाती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 8 छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए और 6 ने लेक्चरशिप पात्रता के लिए अर्हता प्राप्त की है। जूलॉजी से 2, फिजिक्स से 3, बॉटनी से 2 और बायोकैमिस्ट्री से 1 छात्र ने जेआरएफ क्वालिफाई किया। जूलॉजी से 3, बायोकेमिस्ट्री से 1 और केमिस्ट्री से 2 छात्रों ने लेक्चरर शिप पात्रता हासिल की है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और सफल उम्मीदवारों को उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए बधाई दी है। उन्होंने प्रतिभा को पोषित करने और छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

बीबीएयू के छात्र ने भी उत्तीर्ण की परीक्षा

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के छात्र भूपेंद्र मीना ने सीएसआईआर यूजीसी नेट (गणितीय विज्ञान) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने छात्र को शुभकामनाएं दी। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षकों ने भी छात्र को उसकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के छात्रों ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2023 में आयोजित सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में अपने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा की है। इसमें विभिन्न विभागों के कई छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण करके अपनी असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया है। जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के पुरस्कार के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने और भारत भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में व्याख्याता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए सीएसआईआर यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) आयोजित की जाती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 08 छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए और 06 ने लेक्करशिप पात्रता के लिए अर्हता प्राप्त की।

LOKSATYA PAGE 3

लविवि को पीएम उषा योजना में एक अरब का अनुदान मिलने पर जश्न

जश्न

- अनुदान प्राप्त करने की विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर डाला प्रकाश

लखनऊ, लोकसत्य

राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (PM-USHA/पीएम उषा) का डिजिटल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। एमईआरयू श्रेणी में पीएमयूएसएचए योजना से 100 करोड़ का अनुदान प्राप्त करने की विश्वविद्यालय की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हॉल में उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय थे।

मानव विज्ञान विभाग से प्रो. केया पांडे (कोऑर्डिनेटर पीएमऊषा), रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह और प्रो-वाइस चांसलर अरविंद अवस्थी शामिल थे। विश्वविद्यालय में पीएम उषा कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. केया पांडेय ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. आलोक के राय ने अपने संबोधन में इस परिणाम के लिए दीर्घकालिक कड़ी मेहनत को जिम्मेदार ठहराया और उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उनके निरंतर समर्थन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के कारण एमईआरयू श्रेणी के तहत वित्त पोषण हासिल किया। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों का भी उल्लेख किया। प्रो. राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 650 में से 585 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त करने और पीएम उषा योजना की एमईआरयू श्रेणी में अन्य सभी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ने की उपलब्धि का खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम उषा को अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले, शैक्षणिक, अनुसंधान और छात्र की आवश्यकता पर आधारित जानकारी प्रदान करने के लिए सभी संकायों के प्रमुखों से परामर्श किया गया था।

HT PAGE 5

LU students excel in NET

LUCKNOW: LU announced the achievement of its students in the CSIR UGC NET Examination held in December 2023. Eight students qualified for JRF and six for lectureship. Two students from Zoology, 3 from Physics, 2 from Botany, and 1 from Biochemistry qualified for JRF. Additionally, 3 students from Zoology, 1 from Biochemistry, and 2 from Chemistry qualified for lectureship.

HTC

यूजीसी नेट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पूरे गर्व से दिसंबर 2023 में आयोजित हुई सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में अपने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा की। विभिन्न विभागों के कई छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण करके अपनी असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया है। जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के पुरस्कार के लिए भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने और भारत भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में व्याख्याता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए सीएसआईआर यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी)आयोजित की जाती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 08 छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए और 06 ने लेक्चरशिप पात्रता के लिए अर्हता प्राप्त की। जूलॉजी से 2, फिजिक्स से 3, बॉटनी से 2 और बायोकैमिस्ट्री से 1 छात्र ने जेआरएफ क्वालिफाई किया। इसके अलावा जूलॉजी से 03, बायोकेमिस्ट्री से 01 और केमिस्ट्री से 2 छात्रों ने लेक्चररशिप पात्रता हासिल की है। छात्रों की सफलता शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए कठोर शैक्षणिक माहौल का प्रमाण है। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने इस बड़ी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और सफल उम्मीदवारों को उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रतिभा को पोषित करने और छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सफल उम्मीदवार अब देश में वैज्ञानिक ज्ञान और शैक्षणिक उत्कृष्टता की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए आशाजनक अनुसंधान करियर शुरू करने या शिक्षण के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि की सफलता का राज निरंतर कड़ी मेहनत

पीएम उषा के तहत मिला 100 करोड़ का अनुदान, मनाया जश्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) का डिजिटल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। एमईआरयू श्रेणी में पीएमयूएसएचए योजना से 100 करोड़ का अनुदान प्राप्त करने की लखनऊ विश्वविद्यालय की उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में लविवि स्थित मालवीय सभागार में एक उत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश योगेन्द्र उपाध्याय शामिल हुए। इस दौरान मंच पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों में मानव विज्ञान विभाग से प्रो.केया पांडे (कोऑर्डिनेटर पीएम उषा),रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह और प्रो-वाइस चांसलर अरविंद अवस्थी मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन हुआ। कुलपति ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। लविवि में पीएम उषा कार्यक्रम की समन्वयक प्रो.केया पांडे ने स्वागत भाषण दिया। इसके अलावा कुलपति प्रो.आलोक के राय ने अपने संबोधन में इस परिणाम के लिए दीर्घकालिक कड़ी मेहनत को जिम्मेदार ठहराया और उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उनके निरंतर समर्थन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी को पीएम उषा योजना के बारे में परिचित कराया, जिसे पहले रूसा के नाम से जाना जाता था, जिसे एनईपी 2020 के बाद बदल दिया गया। फंडिंग को विश्वविद्यालयों की तीन श्रेणियों को आवंटित किया जाता है। जिसमें पूरी तरह से अनुसंधान-उन्मुख संस्थान, बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय (एमईआरयू) और मुख्य शैक्षणिक संस्थान। लविवि ने अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के कारण एमईआरयू श्रेणी के तहत वित्त पोषण हासिल किया। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों का भी उल्लेख किया। प्रो.राय ने लविवि द्वारा 650 में से 585 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त करने और पीएम उषा योजना की एमईआरयू श्रेणी में अन्य सभी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ने की उपलब्धि का खुलासा किया। उन्होंने यह भी बताया कि पीएम उषा को अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले, शैक्षणिक, अनुसंधान और छात्र की आवश्यकता पर आधारित जानकारी प्रदान करने के लिए सभी संकायों के प्रमुखों से परामर्श किया गया था। उन्होंने योगेन्द्र उपाध्याय एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम उषा पहल से पर्याप्त वित्तीय प्रोत्साहन लविवि को शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाएगा। इस धनराशि का उपयोग रणनीतिक रूप से प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने, नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। योगेन्द्र उपाध्याय ने लविवि टीम की कड़ी मेहनत की सराहना की और प्रेरणा और गहरी रुचि के लिए यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उच्च शिक्षा में यूपी की प्रगति पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से लविवि के योगदान का उल्लेख किया। योगेन्द्र उपाध्याय ने नई सरकार के तहत इन क्षेत्रों में यूपी की उत्कृष्टता की सराहना करते हुए शिक्षा और चिकित्सा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने उच्च शिक्षा में इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताते हुए, लॉर्ड थॉमस मैकाले की विदेशी शिक्षा नीति के प्रतिस्थापन के रूप में एनईपी 2020 पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय जरूरतें उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, उन्होंने लविवि की सफलता का श्रेय निरंतर कड़ी मेहनत को दिया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ.विनोद कुमार सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।